नवभारत

कीमतें... महंगा होता क्राफ्ट पेपर, 70 प्रतिशत तक बढ़ी लागत

कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग का बढ़ा संकट

नवभारत न्यूज नेटवर्क

मुंबई. उत्पादन लागत में भारी वृद्धि और कच्चे माल की कमी के कारण देश के कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग का संकट बढ़ता जा रहा है. कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग का रॉ मैटेरियल क्राफ्ट पेपर है, जिसकी कीमतें लगातार बढ़ती जा रही है. पिछले 14 महीनों में क्राफ्ट पेपर की कीमतें 70% तक बढ़ चुकी है. क्राफ्ट पेपर महंगा होने और अन्य खर्चें बढ़ने के कारण पैकेजिंग में उपयोग होने वाले कोरूगेटेड बॉक्स की उत्पादन लागत भी 70% तक बढ़ गयी है. भारत के कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग में 350 से अधिक ऑटोमेटिक कोरूगेटर हैं और 10,000 से अधिक सेमी ऑटोमेटिक इकाइयां हैं. ज्यादातर एमएसएमई क्षेत्र है.

चीन की भारी मांग से बढ़ी कीमतें

इंडियन कोरूगेटेड केस मैन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन (इकमा) के अध्यक्ष संदीप वाधवा ने कहा कि वैश्विक स्तर पर चीन की भारी मांग के चलते भारतीय क्राफ्ट पेपर मिलें निर्यात पर ज्यादा जोर दे रही है, लेकिन इस कारण घरेलू बाजार में माल की कमी हो रही है और फिनिश्ड पेपर और रीसाइकल्ड फाइबर के भाव बढ़ते जा रहे हैं.

उद्योग के सरंक्षण के लिए कदम उठाए सरकार

भारतीय क्राफ्ट पेपर मिलों द्वारा रिसाइकल्ड क्राफ्ट पेपर पल्प रोल्स का निर्यात इस साल 20 लाख टन से अधिक हो सकता है, जो भारत के कुल स्थानीय क्राफ्ट पेपर उत्पादन का 20% होगा. जबकि 2018 से पहले शून्य निर्यात था. एसोसिएशन के उपाध्यक्ष हरीश मदन ने कहा कि यह पर्यावरण प्रेमी उद्योग है, जो वार्षिक 75 लाख टन रीसाइकल्ड क्राफ्ट पेपर की खपत करता है और शत-प्रतिशत रिसाइकल्ड कोरूगेटेड बाक्स का निर्माण करता है. 27,000 करोड़ रुपए के कारोबार वाले इस उद्योग में 6 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है. इसलिए सरकार को इस उद्योग के सरंक्षण के लिए कदम उठाने चाहिए.

Mumbai Edition
10-march-2021 Page No. 4
epaper.enavabharat.com